>

Title: Need to ensure that flow of river Ganga is not interrupted by Tehri Dam – Laid.

श्री रामशकल(राबर्टसगंज) : सभापति महोदय, सन 1914 तथा 1916 में गंगा की धारा को रोकने के प्रश्न पर हिन्दू समाज के प्रतिनिधि स्वरूप अनेकों राजाओं, महात्माओं तथा ब्रिटिश सरकार के मध्य महामना पंडित मदन मोहन मालवीय और लेफ्टीनेंट गर्वनर की उपस्थिति में एक समझौता हुआ था कि गंगा की धारा अविछिन्न रूप से हरिद्वार तथा आगे के पवित्र घाटों क्रमशः प्रयाग व काशी में बहती रहेगी। भारत की हिन्दु जनता यह जानना चाहती है कि क्या टिहरी बांध के माध्यम से गंगा की पवित्र धारा को बांध कर रोका जा रहा है, इससे गंगा का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा । मैं इस सदन के माध्यम से भारत सरकार से यह जानना चाहता हूं कि सन 1914 व 1916 के समझौते व गंगा के महात्म को ध्यान में रखकर गंगा की पवित्र धारा को गोमुख से हरिद्वार व आगे के पवित्र घाटों क्रमशः प्रयाग व काशी तथा उसके आगे तक अविछिन्न रूप से बनाये रखने हेतु भारत सरकार क्या कर रही है ?